स्काउट गाइड ज्योति

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की आमुख पत्रिका
वर्ष-22, अंक-04, दिसम्बर, 2021 (कुल पृष्ठ-28) मूल्यः ₹ 15/-

प्रदेश के राज्यपाल एवं
स्काउट संगठन के मुख्य संरक्षक
श्रीयुत कलराज जी मिश्र के साथ
स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य तथा
गिरधारी सिंह बापना, निर्मल पंवार,
एस.के. सोलंकी एवं डॉ. पी.सी. जैन

राज्यपाल महोदय से शिष्टाचार भेंट

पुष्प भेंट कर स्वागत अभिनन्दन

स्कार्फ पहनाते हुए स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य

प्रदेश संगठन के संरक्षक श्री गिरधारी सिंह बापना

स्टेट कमिश्नर श्री एस.के. सोलंकी

स्टेट कमिश्नर श्री निर्मल पंवार

राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन

भेंटवार्ता में शिरकत करते राज्य पदाधिकारीगण

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 22 अंक : 04
दिसम्बर, 2021

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस.
स्टेट चीफ कमिश्नर

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

इस अंक में

विषय	पृष्ठ संख्या
दिशाबोध	4
सम्पादकीय	4
विशेष : राज्यपाल महोदय से शिष्टाचार भेंट	5
श्री आर्य का रायपुर में अभिनन्दन	6
राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी	6
राजस्थान के नाम रही चीफ नेशनल कमिश्नर शील्ड	7
संस्कृति के साथ स्काउटिंग – महेन्द्र कुमार पारीख	8
राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान	9
राष्ट्रीय जम्बूरी आयोजन	10
बालचर आवासीय विद्यालय	10
स्वच्छता पखवाडा कार्यक्रम गतिविधियाँ	11
हमारा स्वास्थ्य : उत्तम स्वास्थ्य में फल–सब्जी का महत्व	12
राष्ट्रीय बालिका दिवस – स्काउट गाइड ज्योति डेस्क	14
गतिविधि दर्पण	16
दक्षता पदक – विश्व संरक्षण	23
हमारे महापुरुष : 'आजादी का दीवाना' नेताजी सुभाष चन्द्र बोस – रामकृष्ण शर्मा	24
गतिविधि पंचाग	26

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/– संस्थागत शुल्क :150/–	1200/–

शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

ऊँचा उठे गणतंत्र

हमारा गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को आ रहा है। आजादी मिलने के बाद हम ने गणतंत्रीय शासन व्यवस्था को चुना जिसमें जनता का सबसे अधिक महत्व है। जिस देश की जनता जितनी अधिक जागरूक होगी वह उतना ही उन्नत होगा। अच्छे नागरिकों से ही अच्छा राष्ट्र बनता है, स्काउट संगठन सुनागरिकता सिखाता है। मैं प्रसिद्ध कवि द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी की पंक्तियां उद्धृत कर रहा हूँ :–

इतने ऊँचे उठो कि जितना उठा गगन है।
देखो इस सारी दुनिया को एक दृष्टि से
सिंचित करो धरा, समता की भाव वृष्टि से
जाति भेद की, धर्म–वेश की
ज्वालाओं से जलते जग में
इतने शीतल बहो कि जितना मलय पवन है।

नये हाथ से, वर्तमान का रूप सँवारो
नयी तूलिका से चित्रों के रंग उभारो
नये राग को नूतन स्वर दो
भाषा को नूतन अक्षर दो
युग की नयी मूर्ति–रचना में
इतने मौलिक बनो कि जितना स्वयं सृजन है

लो अतीत से उतना ही जितना पोषक है
जीर्ण–शीर्ण का मोह मृत्यु का ही द्योतक है
तोड़ो बन्धन, रूके न चिन्तन
गति, जीवन का सत्य चिरन्तन
धारा के शाश्वत प्रवाह में
इतने गतिमय बनो कि जितना परिवर्तन है

मैं आप सभी से उम्मीद करता हूँ आप सभी ऊँचे उठ कर हमारे गणतंत्र को ऊँचा उठाएं। जनवरी माह में मकर संक्रांति का पर्व भी है। जिस प्रकार पतंग को डोर का साथ और हवा का वेग मिलता है तो, वह निर्बाध गति से आसमान में ऊँचाइयों की ओर बढ़ती चली जाती है....उसी प्रकार बालक–बालिका स्काउट संगठन की डोर से बंध कर अनुशासन, चरित्र, स्वावलम्बन और साहस जैसे गुणों के साथ जीवन पथ पर अग्रसर होते हैं। आप सभी को नव वर्ष और मकर संक्रांति पर्व की भी बहुत बहुत शुभकामनाएं.....

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

अवार्ड में अग्रणी राजस्थान

संपादकीय

पिछले कई वर्षों से राजस्थान राष्ट्रीय अवार्ड प्राप्त करने की न केवल अपनी परम्परा बनाये हुए है अपितु नित् नये कीर्तिमान स्थापित कर एक नये रूप में उदित हुआ है। वर्ष 2010–11 से क्रम को आगे बढ़ाते हुए वर्ष 2020–21 में भी राजस्थान ने राष्ट्रीय स्तर पर स्काउट व गाइड दोनों विभागों में प्रथम स्थान प्राप्त कर चीफ नेशनल कमिश्नर शील्ड ग्रहण करने का गौरव प्राप्त किया है।

गणना वृद्धि के क्षेत्र में भी राजस्थान अग्रणी भूमिका निभा रहा है। वह समग्र गणना वृद्धि में प्रथम स्थान पर रहा है। इसी श्रृंखला में रोवर, स्काउट, कब व रेंजर की गणना वृद्धि के क्षेत्र में भी इसे प्रथम घोषित किया गया है। गाइड व बुलबुल की गणना वृद्धि में राजस्थान ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है।

वर्तमान में प्रदेश में 11 लाख से अधिक बालक–बालिका स्काउट गाइड के रूप में पंजीकृत हैं। संगठन के स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य ने आगामी वर्षों में 20 लाख स्काउट–गाइड के पंजीकरण का लक्ष्य निर्धारित किया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हम सब मिलकर अपने सद्प्रयासों से यह लक्ष्य हासिल कर राष्ट्रीय स्तर पर सर्वोच्च स्थान बनाने में सफल होंगे। संख्यात्मक दृष्टि से फिलहाल राजस्थान राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान पर है, जिसे हम शीघ्र ही प्रथम स्थान में परिवर्तित करेंगे, इसके लिए मेरी आप सभी कर्मठ व जुझारू कार्यकर्ताओं से अपील है।

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

विशेष

राज्यपाल महोदय से शिष्टाचार भेंट

प्रत्येक विद्यालय में स्काउट-गाइड इकाई स्थापित करने का प्रयास हों स्काउट-गाइड गांधी दर्शन से नई पीढ़ी को जोड़ें

– राज्यपाल

राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कहा है कि स्काउट गाइड संगठन को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के दर्शन और विचारों का प्रसार करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि गांधी जी के विचारों से नई पीढ़ी को जोड़ने की जरूरत है तथा गांधी दर्शन के अंतर्गत आचार व्यवहार की शुद्धता, गरीब बस्तियों में कार्य, स्वच्छता आदि में इस संगठन की अग्रणी भूमिका हो।

राज्यपाल एवं राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संस्था के मुख्य संरक्षक श्री मिश्र बुधवार 24 नवम्बर को यहां राजभवन में संस्था के नए पदाधिकारियों से मुलाकात के बाद सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संस्था को राज्य के प्रत्येक विद्यालय में स्काउट–गाइड इकाई स्थापित करने का लक्ष्य लेकर कार्य करना चाहिए ताकि व्यावहारिक रूप में इसका लाभ सभी स्तरों पर मिल सके। साथ ही, जनजातीय क्षेत्र में भी स्काउट–गाइड इकाइयां बनाने के प्रयास किए जाने चाहिए।

श्री मिश्र ने कहा कि स्काउट गाइड सेवाभावी संगठन है और आपदाओं के समय सदा ही इस संगठन ने महती भूमिका निभाई है। अनुशासन, समर्पण, सेवाभाव यह तीन इस संगठन के मूल मंत्र हैं। उन्होंने कहा कि मेले, भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर स्काउट गाइड लोगों को सहभागी बनाते हुए कार्य करें, ताकि आमजन में भी जिम्मेदारी की भावना विकसित हो सके। उन्होंने कहा कि स्काउट गाइड संस्था खेलों के विकास और फिट इंडिया अभियान में कैसे अपनी प्रभावी भूमिका निभा सकें, इस पर भी विचार करना चाहिए।

65 साल बाद प्रदेश में होगा राष्ट्रीय स्काउट-गाइड जम्बूरी का आयोजन

- श्री आर्य

मुलाकात के दौरान राज्यपाल श्री कलराज मिश्र का मुख्य सचिव एवं स्काउट गाइड संस्था के राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य ने स्कार्फ पहना कर स्वागत किया। मुख्य सचिव ने बताया कि स्काउट–गाइड के प्रति युवाओं का रुझान बढ़ाने के लिए प्रदेश में स्काउटिंग को नये स्वरूप में स्थापित करने के लिए विशेष रूप से प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पंजीत स्काउट गाइड की संख्या 20 लाख तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित कर गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

श्री आर्य ने कहा कि राज्य में आगामी वर्ष 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 65 साल बाद राज्य को राष्ट्रीय जम्बूरी की मेजबानी का मौका मिला है, ऐसे में इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाने में कोई कसर बाकी नहीं रखी जाएगी। राज्यपाल ने श्री आर्य को जम्बूरी के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं देते हुए इसके लिए समुचित एवं योजनाबद्ध तरीके से व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए।

मुलाकात के दौरान संस्था के संरक्षक श्री गिरधारी सिंह बापना, राज्य आयुक्त श्री निर्मल पंवार, श्री एस.के. सोलंकी, डॉ. पी.सी. जैन सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

श्री आर्य का रायपुर में अभिनन्दन

6 दिसम्बर, 2021 को राजस्थान प्रदेश के माननीय स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य के पाली जिले के रायपुर में पधारने पर भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, रायपुर एवं जिला मुख्यालय, पाली के पदाधिकारियों ने श्री आर्य का स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया।

विजिट के दौरान जिला एवं स्थानीय संघ पदाधिकारियों ने माननीय स्टेट चीफ कमिश्नर महोदय को स्थानीय संघ एवं जिला स्तर की गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी से भी अवगत कराया। सहा.राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) बाबूसिंह राजपुरोहित, सी.ओ. स्काउट जितेन्द्र भाटी, स्थानीय संघ उप प्रधान खुमाराम चौधरी, प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर श्रीमती प्रेम जीनगर, स्थानीय संघ के पूर्व सचिव दिनेश परिहार, सचिव सोहनलाल एवं स्काउटर गाइडर, रोवर व स्काउट गाइड उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी

भूमि चयन के लिए राज्य पदाधिकारियों व अन्य की पाली जिले की विजिट

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर द्वारा 18 वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जंबूरी

दिसंबर 2022 में राजस्थान में आयोजन के तहत स्काउट–गाइड के राज्य पदाधिकारियों ने 12 व 13 दिसम्बर को पाली जिले के रोहट क्षेत्र स्थित रीको औद्योगिक क्षेत्र की विजिट कर अवलोकन किया। राष्ट्रीय जम्बूरी आयोजित किए जाने के संदर्भ में जिला कलेक्टर पाली की अध्यक्षता में जिला कलेक्टर सभागार में प्रारंभिक स्तर की बैठक आयोजित की गई।

राज्य मुख्यालय से जंबूरी कॉर्डिनेटर सुरेंद्र कुमार सोलंकी पूर्व IAS एवं स्टेट कमिश्नर, संगठन के राज्य सचिव डॉ. पी. सी. जैन, राज्य संगठन आयुक्त गोपाराम माली, सहायक राज्य संगठन आयुक्त जयपुर पूरण सिंह शेखावत, सहायक राज्य संगठन आयुक्त जोधपुर मंडल बाबू सिंह राजपुरोहित ने जंबूरी स्थल से संबंधित आवश्यकताओं पर विद्युत वितरण निगम के मनीष माथुर एवं अशोक मीणा व जलदाय विभाग से कान सिंह राणावत, रीको अधिकारी सौरभ यादव से चर्चा की। भूमि संबंधित लेआउट तथा पानी व विद्युत आपूर्ति के बारे में होने वाले व्ययों एवं आवश्यक बजट पर तकनीकी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए जिला कलेक्टर ने सभी विभागों को 2 दिन का समय दिया है।

इस अवसर पर सी.ओ. स्काउट जितेंद्र भाटी, जिला मुख्यायुक्त प्रकाश चंद्र सिंगाड़िया, नूतनबाला कपिला पूर्व अतिरिक्त निदेशक शिक्षा विभाग, सहायक जिला शिक्षा अधिकारी सोहन लाल भाटी, सचिव स्थानीय संघ पाली शंकर सिंह दहिया एवं अन्य उपस्थित रहे।

राजस्थान के नाम रही चीफ नेशनल कमिश्नर शील्ड
राजस्थान ने जीते 10 अवार्ड

राजस्थान प्रदेश स्काउट गाइड संगठन के लिए अत्यन्त गर्व की बात है कि भारत स्काउट व गाइड की राष्ट्रीय परिषद् के नई दिल्ली में आयोजित अधिवेशन के अवसर पर राजस्थान राज्य को वर्ष 2020–21 में राष्ट्रीय स्तर पर स्काउट व गाइड दोनों विभागों में प्रथम स्थान प्राप्त होने के उपलक्ष में चीफ नेशनल कमिश्नर शील्ड प्रदान की गई। सम्पूर्ण देश में समग्र गणना वृद्धि में भी राजस्थान को प्रथम स्थान मिला। इनके अतिरिक्त रोवर, स्काउट, कब व रेंजर गणना वृद्धि में प्रथम स्थान, गाइड व बुलबुल गणना वृद्धि में द्वितीय स्थान मिला। इसके साथ ही जयपुर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बजाज नगर को लक्ष्मी मजूमदार अवार्ड मिला है।

राजस्थान राज्य स्काउट गाइड संगठन की ओर से उपरोक्त सभी पुरस्कार प्रदेश संगठन व राष्ट्रीय संगठन की उपाध्यक्ष श्रीमती विमला मेघवाल ने प्राप्त किये।

राष्ट्रीय स्तर पर सत्र 2020-21 में राजस्थान को प्राप्त अवार्ड

क्र.सं.	अवार्ड	विभाग	स्थान
1.	चीफ नेशनल कमिश्नर शील्ड	स्काउट	प्रथम
2.	चीफ नेशनल कमिश्नर शील्ड	गाइड	प्रथम
3.	समग्र गणना वृद्धि		प्रथम
4.	गणना वृद्धि	रोवर	प्रथम
5.	गणना वृद्धि	स्काउट	प्रथम
6	गणना वृद्धि	कब	प्रथम
7.	गणना वृद्धि	रेंजर	प्रथम
8.	गणना वृद्धि	गाइड	द्वितीय
9.	गणना वृद्धि	बुलबुल	द्वितीय
10.	लक्ष्मी मजूमदार अवार्ड	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बजाज नगर, जयपुर	तृतीय

इस उपलब्धि पर प्रदेश संगठन के सभी स्काउट–गाइड व कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई।

संस्कृति के साथ स्काउटिंग

◆ **महेन्द्र कुमार पारीक**
राष्ट्रीय पुरूस्कृत शिक्षक
स्काउट-मास्टर
जिला - सीकर

संस्कृत साहित्य, संस्कृत भाषा व भारतीय संस्कृति जिस प्रकार अनूठी है उसी प्रकार सह-शैक्षिक गतिविधियों में स्काउटिंग अपना विशेष महत्व लिए हुए है। नियम की अगर बात करें तो विश्वास हो, प्रकृति प्रेम, साहस, वाणी संयम, कार्य के प्रति लगन या फिर राष्ट्र-प्रेम सभी तो इसमें समाहित है।

"भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे संस्कृतं संस्कृतिस्तथा"

संस्कृत भाषा की यह उक्ति भारतीय सभ्यता व संस्कृति को गौरवान्वित करती है। उसी प्रकार "सेवायाः पूरक बालचराः गतिविधि स्काउटिंग वा" अर्थात् सेवा का पर्याय है स्काउटिंग। मुख्यतया इस गतिविधि से बालकों में शारीरिक, मानसिक, चारीत्रिक, वैचारिक, संवेगात्मक व सामाजिकता के साथ–साथ भावात्मक तथा राष्ट्रीयता की भावना का विकास होता है। मैंने अपने कार्य के साथ स्काउटिंग को अपनाया तो आभास हुआ कि संस्कृत साहित्य व वेदों के साथ स्काउटिंग गतिविधि का पूर्णतया सामंजस्य है।

प्रातःस्मरण व सर्वधर्म प्रार्थना सभा

कराग्रे वसते लक्ष्मी,
कर मध्ये सरस्वती।
कर मूले स्थितौ ब्रह्मा,
प्रभाते कर दर्शनम्।।

संस्कृत भाषा का यह प्रातःस्मरणीय श्लोक स्काउटिंग की सर्वधर्म प्रार्थना सभा से ओत–प्रोत है। प्रत्येक भारतवासी सर्वधर्म सम्भाव के साथ अपने–अपने इष्ट का ध्यान लगाकर दिन का शुभारम्भ करता है। इसीलिए कहते हैं कि मैं ना हिन्दु, ना मुस्लमां, ना सिक्ख, ना ईसाई... .. सबसे पहले एक भारतवासी हूँ। प्रातः उठकर योग, साधना, नमाज व सतनाम वाहे गुरू के साथ हम अपने दैनिक कार्यों में संलग्न हो जाते हैं।

अध्ययन कार्य तथा करके सीखने की प्रवृत्ति-

येषां न विद्या न तपो न दानं,
ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः ।
ते मृत्यु लोके भुवि भारभूताः,
मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति ।।

अर्थात् जो मनुष्य विद्या, तप, दान, ज्ञान, सुचरित्र, सद्गुण व कर्तव्य से रहित है वह इस पृथ्वी पर भार स्वरूप है, जो मनुष्य रूप में पशु की तरह विचरण करता है। स्काउटिंग गतिविधि का मूल आधार भी यही है। यह हमें सद्मार्ग की ओर ही ले जाती है। इसी प्रकार निम्न पंक्तियों का भी हमारे साहित्य में उल्लेख है–

असतो मा सद्गमय,
तमसो मा ज्योतिर्गमय,
मृत्योर्मा अमृतंगमय।

शिविर कला

स्काउटिंग की प्रतिज्ञा व नौ नियम अपने आप में विशेष हैं। साथ ही शिविर कला, पायनियरिंग, गेजेट्स, पिटस् आदि सीखना एक अनूठी कला है।

नीतिशतक का यह श्लोक भी कुछ ऐसा ही कहता है–

साहित्यसंगीतकलाविहीनः
साक्षात्पशु-पुच्छविषाणहीनः।
तृणं न खादन्नपि जीवमानः,
तद्भाग्देयं परमं पशूनाम् ।।

तात्पर्य है कि प्रत्येक मनुष्य किसी न किसी कला में प्रवीण होता है। जो कला रहित होता है वह बिना पूंछ व सींग का पशु है। वास्तविकता में कहा जाए तो यह पशुओं का सौभाग्य है कि कला रहित मनुष्य घास नहीं खाता है।

स्काउट नियम व प्रतिज्ञा से सामंजस्य-

संस्कृत साहित्य, संस्कृत भाषा व भारतीय संस्कृति जिस प्रकार अनूठी है उसी प्रकार सह–शैक्षिक गतिविधियों में स्काउटिंग अपना विशेष महत्व लिए हुए है। नियम की अगर बात करें तो विश्वास हो, प्रकृति प्रेम, साहस, वाणी संयम, कार्य के प्रति लगन या फिर राष्ट्र–प्रेम सभी तो इसमें समाहित है। कहा भी गया है–

पिबन्ति नद्यः स्वयमेव नाम्भः,
स्वयं न खादन्ति फलानि वृक्षाः।
धाराधरो वर्षति नात्महेतो,
परोपकाराय सतां विभूतयः।।

अर्थात् नदियां अपना जल, वृक्ष अपने फल व बादल अपना जल स्वयं न पीकर परोपकारार्थ देते हैं। उसी प्रकार मनुष्य को भी इस ईश्वर प्रदत्त शरीर को समाज सेवा व देश सेवा में लगा देना चाहिए। और भी कहा है–

परोपकाराय फलन्ति वृक्षाः,
परोपकाराय वहन्ति नद्यः।
परोपकाराय दुहन्ति गावः
परोपकारार्थमिदं शरीरम्।।

शिविर ज्वाल में मनोरंजन व उसमें समाहित देश प्रेम–

दिन भर की थकान को दूर करने व आपसी भावनात्मक मेल–जोल के लिए शिविर ज्वाल कार्यक्रम अपना विशेष महत्व रखता है। कार्यक्रम में विभिन्न भाषा–भाषी, वेश–भूषा, राग–रंग व विभिन्नता में एकता लिए हुए देश भक्ति से परिपूर्ण प्रस्तुतियां मनमोहक लगती है।

वयं बालकाः भारतभक्ताः,
वयं बालिकाः भारतभक्ताः।
वयं हि सर्वे भारतभक्ताः,
पृथ्वी स्वर्गं जेतुं शक्ताः।।
वयं सुधीराः वयं सुवीराः,
हृष्टमानसा पुष्ट शरीराः।
भूरि पठामो भूरि लिखामो,
भवितास्मो जनहिते नियुक्ताः।।
जति-धर्म-मतभेदं त्यक्त्वा,
भारतवर्षं पूज्यं मत्वा।
भगवद्भावं हृदये धृत्वा,
भारतसेवायामनुरक्ताः।।

अर्थात् हम भारतवर्ष के बालक, बालिका, पुरूष, महिला, आबालवृद्ध सभी देश की रक्षा के लिए तत्पर हैं। हम शारीरिक, मानसिक व आर्थिक रूप से सम्बल व सशक्त हैं। जाति–पाति, धर्म व क्षेत्रीयता को दरकिनार करते हुए भारतीय एकता व अखण्डता की शपथ लेते हैं और यही कहते है कि–

हम भारत के भरत खेलते, शेरों की संतान से ।
कोई देश नहीं दुनियां में, बढकर हिन्दुस्तान से।।

स्वावलम्बन, साहस व रचनात्मकता का विकास–

उद्यमेन हि सिद्यन्ति, कार्याणि न मनोरथैः।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य, प्रविशन्ति मुखे मृगाः।।

अर्थात् परिश्रम ही सफलता की कुंजी है।

उद्यमः साहसं धैर्यं बुद्धिः शक्तिः पराक्रमः।
षडेते यत्र वर्तन्ते तत्र देव सहायकृत् ।।

अर्थात् परिश्रम, साहस, धैर्य, सुमति, बल व शौर्य ये छः गुण यदि मनुष्य में है तो देवता भी उसकी सहायता करते है। स्काउटिंग आन्दोलन भी हमें यही सिखाता है।

करके सीखने का मूल मंत्र देता यह संगठन स्वावलम्बन की भावना का विकसित करते हुए बहुआयामी व्यक्तित्व का निर्माण करता है। स्काउटिंग के माध्यम से एक बच्चा कब–बुलबुल से लेकर रोवरिंग–रेंजरिंग तक विविध गुणों को अपने में विकसित करता है। चूंकि सीखने की कोई उम्र नहीं होती अतः ताउम्र इस सेवा रूपी हवन में शामिल होकर हम यह पुनीत कार्य कर सकते हैं।

अन्त में यही कह सकते है कि यह आन्दोलन संस्कृत के इस बहुचर्चित वाक्य को पूर्णतया चरितार्थ करता है–''वसुद्यैव कुटुम्बकम्''

सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद् दुःख भाग्भवेत्।।

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान

राज्य स्तर पर सम्मानित राजसमन्द के विजय सोलंकी

जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में 16 नवम्बर, 2021 को आयोजित ''राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह–2021'' में राजसमन्द जिले से कक्षा 6–8 वर्ग में स्काउटर– हिमालय वुड बैज, शारीरिक शिक्षक, एनसीसी प्रभारी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, काछबली, भीम, राजसमन्द एवं सचिव–स्थानीय संघ, भीम (राजसमन्द) के श्री विजय सोलंकी का मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने 21,000 की राशि का चैक, प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो, श्रीफल, शॉल एवं स्मारिका भेंटकर राज्य स्तर पर सम्मानित किया।

सम्मान समारोह मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत के मुख्य आतिथ्य, शिक्षा मंत्री श्री गोविन्द सिंह डोटासरा की अध्यक्षता, उच्च शिक्षा मंत्री श्री भँवर सिंह भाटी, संस्कृत एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री सुभाष गर्ग, अध्यक्ष–माध्यमिक शिक्षा बोर्ड श्री डी.पी. जारोली एवं निदेशक–माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर श्री कानाराम के सान्निध्य में आयोजित हुआ।

श्री सोलंकी को यह सम्मान 05 वर्ष 05 दिन की अल्प–सेवा अवधि में खेल के क्षेत्र में विद्यालय के खिलाड़ियों को जिला एवं राज्य स्तर पर पहुँचाने, प्रतिवर्ष विद्यालय के स्काउट्स को राज्य पुरस्कार स्वरूप महामहिम राज्यपाल महोदय से प्रशंसा पत्र प्राप्त करने, नियमित भामाशाहों से सम्पर्क कर विद्यालय के भौतिक विकास में संसाधन जुटाने में योगदान देने, विद्यालय परिसर में पौधारोपण, कोविड–19 के दौरान उत्कृष्ट सेवा कार्य करने के परिणाम स्वरूप प्रदान किया गया है।

राज्य संगठन की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

राष्ट्रीय जम्बूरी आयोजन

जम्बूरी स्काउट गाइड को अनुशासन सिखाने का सशक्त माध्यम
– मुख्य सचिव

जयपुर स्थित शासन सचिवालय में 17 दिसम्बर, 2021 को राष्ट्रीय जम्बूरी आयोजन की तैयारियों एवं स्थान चयन के संबंध में आयोजित वर्चुअल बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य सचिव एवं राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य ने कहा कि राष्ट्रीय जम्बूरी आयोजन स्काउट गाईड्स को अनुशासित जीवन के साथ–साथ सहभागिता, नेतृत्व के गुण सिखाने का सशक्त माध्यम है।

श्री आर्य ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर की स्काउट गाइड की जम्बूरी का राजस्थान प्रदेश में आयोजित कराना मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत की परिकल्पना है। राष्ट्रीय जम्बूरी का आयोजन माह नवम्बर–दिसम्बर 2022 में किया जाना प्रस्तावित है। श्री आर्य ने कहा कि जम्बूरी का आयोजन पाली जिले के रोहट क्षेत्र में आयोजित किया जाना है। इस राष्ट्रीय जम्बूरी में लगभग 30 हजार प्रतिभागियों के भाग लेने का अनुमान है। मुख्य सचिव ने जम्बूरी के लिए स्थान का चयन तथा पानी, बिजली की व्यवस्था सुचारू रूप सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक में भूमि, पानी, बिजली से संबंधित विभागों तथा रीको के अधिकारियों सहित पाली जिले के जिला कलक्टर, स्काउट के कमिश्नर श्री एस.के. सोलंकी, श्री महेन्द्र कुमार पारख, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन व अन्य अधिकारी भी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल रहे।

बालचर आवासीय विद्यालय

जयपुर स्थित राज्य प्रशिक्षण केन्द्र, जगतपुरा में राजस्थान स्काउट आवासीय विद्यालय का संचालन किया जा रहा है, जिसमें कक्षा 6 से 8 तक प्रत्येक कक्षा में 50–50 छात्र अध्ययनरत है।

आवासीय विद्यालय में विद्यार्थियों को नियमित शिक्षण के अतिरिक्त स्काउटिंग की शिक्षा तो दी ही जाती है, साथ ही अध्ययनरत बच्चों को प्राकृतिक संसाधनों के संवर्द्धन व संरक्षण से भी अवगत कराया जाता है।

हाल ही में अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी श्री गिरिराज गुप्ता द्वारा राजस्थान बालचर आवासीय विद्यालय जगतपुरा जयपुर का निरीक्षण किया गया, जिसमें बालकों को शैक्षणिक गतिविधियों हेतु आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

पर्यावरणीय गतिविधियों के तहत दिनांक 4 से 6 दिसंबर 2021 तक राजस्थान बालचर आवासीय विद्यालय के छात्रों द्वारा स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें आवासीय विद्यालय में वृक्षारोपण किए हुए पेड़ों की साफ–सफाई और देखरेख की गई। उल्लेखनीय है कि विद्यार्थियों द्वारा यह कार्य नियमित रूप से किया जाता है।

स्वच्छता पखवाडा कार्यक्रम गतिविधियाँ, जिला मुख्यालय, कोटा

दिनांक - 01 दिसम्बर 2021 से 12 दिसम्बर 2021

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	गतिविधि	दिनांक	स्थान	संभागी संख्या	कार्यकारी विवरण
1	चम्बल शुद्धिकरण	5	1—3 दिसम्बर 2021	चम्बल रिवर फ्रंट नयापुरा	216	चम्बल शुद्धिकरण
2	जल संरक्षण वार्ता	2	3—5 दिसम्बर 2021	एल.बी.एस.स्कूल, एलजेब्रा स्कूल	322	वार्ता
3	प्लास्टिक उन्मूलन	6	1—12 दिसम्बर 2021	सम्पूर्ण कोटा जिला	768	प्लास्टिक सामानों की सफाई व जनजागरण
4	विद्यालय स्वच्छता कार्यक्रम	169	1 से 9 दिसम्बर 2021	जिले के विद्यालय	3718	विद्यालय प्रांगण सफाई
5	पौधों का संरक्षण	161	1 से 12 दिसम्बर 2021	जिले के विद्यालय	3381	विद्यालय में लगे पौधों का सरंक्षण
6	पर्यावरण संरक्षण संवर्धन संगोष्ठी	116	9—12 दिसम्बर 2021	सभी स्थानीय संघ	967	संगोष्ठियां
7	स्वच्छता रैली	13	9—12 दिसम्बर 2021	सभी स्थानीय संघ	1213	स्वच्छता रैली
8	ग्राम में संगोष्ठी	11	6—9 दिसम्बर 2021	पंचायत लाडपुरा	7619	पंचायत समिति लाडपुरा के 11 गांवो मे संगोष्ठियां
9	बावड़ी सफाई	5	1—4 दिसम्बर 2021	गणेश मंदिर, रंगबाड़ी	117	बावड़ी से कचरा एकत्र कर सफाई
10	गाँव में सफाई कार्य	32	1—12 दिसम्बर 2021	धुलेट, बरखेडा, केवलनगर, आलनिया, कसार व पंचायत समिति सांगोद व अन्य	619	गाँवों के मन्दिर चौराहा एवं चौपाल सफाई कार्य

हमारा स्वास्थ्य

उत्तम स्वास्थ्य में फल-सब्जी का महत्व

डॉ पी सी जैन
राज्य सचिव

स्वास्थ्य सिर्फ बीमारियों की अनुपस्थिति का नाम नहीं है। हमें सर्वांगीण स्वास्थ्य के बारे में जानकारी होना बहुत आवश्यक है। स्वास्थ्य का अर्थ विभिन्न लोगों के लिए अलग–अलग होता है। लेकिन अगर हम एक सार्वभौमिक दृष्टिकोण की बात करें तो अपने आपको स्वस्थ कहने का यह अर्थ होता है कि हम अपने जीवन में आने वाली सभी सामाजिक, शारीरिक और भावनात्मक चुनौतियों का प्रबंधन करने में सफलतापूर्वक सक्षम हों। वैसे तो आज के समय मे अपने आपको स्वस्थ रखने के ढेर सारी आधुनिक तकनीक मौजूद हो चुकी हैं, लेकिन ये सारी उतनी अधिक कारगर नहीं हैं। उत्तम स्वास्थ्य में फलों व सब्जियों का विशेष महत्व है। आईये जानते हैं इनके फायदे–

(1) **केला** : ब्लडप्रेशर नियंत्रित करता है, हड्डियों को मजबूत बनाता है, हृदय की सुरक्षा करता है, अतिसार में लाभदायक है, खांसी में हितकारी है।

(2) **जामुन** : केन्सर की रोक थाम, हृदय की सुरक्षा, कब्ज मिटाता है, स्मरण शक्ति बढाता है, रक्त शर्करा नियंत्रित करता है। डायबीटीज में अति लाभदायक।

(3) **सेवफल** : हृदय की सुरक्षा करता है, दस्त रोकता है, कब्ज में फायदेमंद है, फेफड़े की शक्ति बढ़ाता है।

(4) **चुकंदर** : वजन घटाता है, ब्लडप्रेशर नियंत्रित करता है, अस्थिक्षरण रोकता है, केंसर के विरुद्ध लड़ता है, हृदय की सुरक्षा करता है।

(5) **पत्ता गोभी** : बवासीर में हितकारी है, हृदय रोगों में लाभदायक है, कब्ज मिटाता है, वजन घटाने में सहायक है। केंसर में फायदेमंद है।

(6) **गाजर** : नेत्र ज्योति वर्धक है, केंसर प्रतिरोधक है, वजन घटाने में सहायक है, कब्ज मिटाता है, हृदय की सुरक्षा करता है।

(7) **फूल गोभी** : हड्डियों को मजबूत बनाता है, स्तन केंसर से बचाव करता है, प्रोस्टेट ग्रंथि के केंसर में भी उपयोगी है, चोट–खरोंच ठीक करता है।

(8) **लहसुन** : कोलेस्टरोल घटाती है, रक्त चाप घटाती है, कीटाणुनाशक है, केंसर से लड़ती है।

(9) **नींबू** : त्वचा को मुलायम बनाता है, केंसर अवरोधक है, हृदय की सुरक्षा करता है, ब्लड प्रेशर नियंत्रित करता है, स्कर्वी रोग नाशक है।

(10) **अंगूर** : रक्त प्रवाह वर्धक है, हृदय की सुरक्षा करता है, केंसर से लड़ता है, गुर्दे की पथरी नष्ट करता है, नेत्र ज्योति वर्धक है।

(11) **आम** : केंसर से बचाव करता है, थायराईड रोग में हितकारी है, पाचन शक्ति बढ़ाता है, याददाश्त की कमजोरी में हितकर है।

(12) **प्याज** : फंगस रोधी गुण है, हार्ट अटेक की रिस्क को कम करता है। जीवाणु नाशक है, केंसर विरोधी है खराब कोलेस्टरोल को घटाता है।

(14) **अलसी के बीज** : मानसिक शक्ति वर्धक है, रोग प्रतिकारक शक्ति को ताकत देता है, डायबीटीज में उपकारी है, हृदय की सुरक्षा करता है, पाचन शक्ति को ठीक करता है।

(15) **संतरा** : हृदय की सुरक्षा करता है, रोग प्रतिकारक शक्ति उन्नत करता है, श्वसन पथ के विकारों में लाभकारी है, केंसर में हितकारी है।

लेकिन अगर हम एक सार्वभौमिक दृष्टिकोण की बात करें तो अपने आपको स्वस्थ कहने का यह अर्थ होता है कि हम अपने जीवन में आने वाली सभी सामाजिक, शारीरिक और भावनात्मक चुनौतियों का प्रबंधन करने में सफलतापूर्वक सक्षम हों। वैसे तो आज के समय मे अपने आपको स्वस्थ रखने के ढेर सारी आधुनिक तकनीक मौजूद हो चुकी हैं, लेकिन ये सारी उतनी अधिक कारगर नहीं हैं। उत्तम स्वास्थ्य में फलों व सब्जियों का विशेष महत्व है।

(16) **टमाटर** : कोलेस्टरोल कम करता है, प्रोस्टेट ग्रंथि के स्वास्थ्य के लिये उपकारी है, केंसर से बचाव करता है, हृदय की सुरक्षा।

(17) **पानी** : गुर्दे की पथरी नाशक है, वजन घटाने में सहायक है, केंसर के विरुद्ध लड़ता है, त्वचा के चमक बढ़ाता है।

(18) **अखरोट** : मूड उन्नत करने में सहायक है, मेमोरी पावर बढ़ाता है, केंसर से लड़ सकता है, हृदय रोगों से बचाव करता है, कोलेस्टरोल घटाने में मददगार है।

(19) **तरबूज** : स्ट्रोक रोकने में उपयोगी है, प्रोस्टेट के स्वास्थ्य के लिये हितकारी है, रक्तचाप घटाता है, वजन कम करने में सहायक है।

(20) **अंकुरित गेहूं** : बड़ी आंत की केंसर से लड़ता है, कब्ज प्रतिकारक है, स्ट्रोक से रक्षा करता है, कोलेस्टरोल कम करता है, पाचन सुधारता है।

(21) **चावल** : किडनी स्टोन में हितकारी है, डायबीटीज में लाभदायक है, स्ट्रोक से बचाव करता है, केंसर से लड़ता है, हृदय की सुरक्षा करता है।

(22) **आलू बुखारा** : हृदय रोगों से बचाव करता है, बुढ़ापा जल्द आने से रोकता है, याददाश्त बढ़ाता है, कोलेस्टरोल घटाता है, कब्ज प्रतिकारक है।

(23) **पाईनएपल** : अतिसार (दस्त) रोकता है, वार्ट्स (मस्से) ठीक करता है, सर्दी ठंड से बचाव करता है, अस्थिक्षरण रोकता है। पाचन सुधारता है।

(24) **जौ, जई** : कोलेस्टरोल घटाता है, केंसर से लड़ता है, डायबीटीज में उपकारी है, कब्ज प्रतिकारक है, त्वचा पर शाईनिंग लाता है।

(25) **अंजीर** : रक्त चाप नियंत्रित करता है, स्ट्रोक्स से बचाता है, कोलेस्टरोल कम करता है, केंसर से लड़ता है, वजन घटाने में सहायक है।

(26) **शकरकंद** : आंखों की रोशनी बढ़ाता है, मूड उन्नत करता है, हड्डियाँ बलवान बनाता है, केंसर से लड़ता है।

नोट : उपलब्ध सभी साम्रगी केवल पाठकों की जानकारी और ज्ञानवर्धन के लिए दी गई है। हमारा आपसे विनम्र निवेदन है कि किसी भी उपाय को आजमाने से पहले अपने चिकित्सक से अवश्य संपर्क करें। हमारा उद्देश्य आपको रोचक और ज्ञानवर्धक जानकारी मुहैया कराना मात्र है। चिकित्सक की सलाह का कोई विकल्प नहीं है।

श्री नारंग जिला स्तर पर सम्मानित

राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय एक एक्स के प्रधानाध्यापक व राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड स्थानीय संघ श्रीकरणपुर के सचिव अविनाश चंद्र नारंग को उनके शैक्षिक उन्नयन और स्काउटिंग के प्रति समर्पित भाव के तहत 2021-22 के लिए जिला स्तर पर शिक्षक सम्मान प्राप्त हुआ है ।यह सम्मान शिक्षा के प्रति उनके नवाचार ,शैक्षिक उन्नयन, शाला का मनमोहक वातावरण तैयार करने के साथ-साथ स्काउटिंग गतिविधि को नए आयाम तक पहुंचाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के तहत प्रदान किया गया। यह सम्मान उन्हें जिला स्तर पर आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में 16 नवम्बर 21 को माननीय जिलाधीश महोदय जाकिर हुसैन व श्रीगंगानगर के लोकप्रिय विधायक राजकुमार गौड़ के द्वारा प्रदान किया गया। श्रीकरणपुर पहुंचने पर स्थानीय संघ के पदाधिकारियों व समाजसेवी संगठनों के द्वारा नारंग जी का अभिनंदन किया गया और शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

2:28 pm

CELEBRATIONS FOR - JANUARY 2022

10 January	:	World Hindi Day
11 January	:	National Road Safety Week
12 January	:	National Youth Day
23 January	:	Subhash Chandra Bos Jayanti, Parakram Diwas
24 January	:	National Girl Child Day
25 January	:	National Voters Day
26 January	:	Republic Day
30 January	:	Shahid Diwas (Gandhi ji)

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

राष्ट्रीय बालिका दिवस

◇ स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

लड़कियों की सुरक्षा, शिक्षा, लिंग अनुपात, स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर आज के दिन ही नहीं बल्कि हर दिन लोगों को विचार करना चाहिए। लड़कियों को भी समान अधिकार दिए जाने चाहिए। उन्हें वह सब करने की आजादी होना चाहिए जो किसी अन्य को मिलती है। आज के दिन सभी को केवल राष्ट्रीय बालिका दिवस की बधाई ही नहीं देनी चाहिये बल्कि सभी को यह शपथ भी लेनी चाहिए कि हम लड़कियों का सम्मान करेंगे और हर क्षेत्र में उनको बढ़ावा देंगे।

हर क्षेत्र में लड़की आगे,

फिर क्यों हम लड़की से भागें।

राष्ट्रीय बालिका दिवस (अंग्रेजी: National Girl Child Day) 24 जनवरी को मनाया जाता है। 24 जनवरी के दिन इंदिरा गांधी को नारी शक्ति के रूप में याद किया जाता है। इस दिन इंदिरा गांधी पहली बार प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठी थी इसलिए इस दिन को राष्ट्रीय बालिका दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। यह निर्णय राष्ट्रीय स्तर पर लिया गया है। आज की बालिका जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ रही है चाहे वो क्षेत्र खेल हो या राजनीति, घर हो या उद्योग। राष्ट्रमण्डल खेलों के गोल्ड मैडल हो या मुख्यमंत्री और राष्ट्रपति के पद पर आसीन होकर देश सेवा करने का काम हो सभी क्षेत्रों में लड़कियाँ समान रूप से भागीदारी ले रही है।

शुरुआत

भारत में 24 जनवरी को 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' मनाया जाता है। इस दिन को मनाने की शुरुआत साल 2008 में हुई थी। इसकी शुरुआत महिला और बाल विकास मंत्रालय ने की थी। कहा जाता है इस दिन को मनाने का उद्देश्य देश में बालिकाओं के साथ होने वाले भेदभाव के प्रति लोगों को जागरुक करना है। साल 2008 से इस दिन को पूरे देश में मनाया जाता है। वैसे इस दिन देशभर में बालिका बचाओं अभियान चलाया जाता है। इसके अलावा लड़कियों को उनके अधिकार दिलवाने के लिए भी अभियान चलाये जाते हैं।

उद्देश्य

महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से साल 2015 में 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' की शुरुआत हुई थी। दरअसल सरकार का 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान काफी सफल रहा है। इस अभियान के जरिये भी लड़कियों और महिलाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया जाता रहा है। आज के समय में महिलाओं के प्रति होने वाली कई अमानवीय प्रथाओं, जैसे– भ्रूण हत्या के मामलों में कमी आई है। ऐसे अभियान लोगों की मानसिकता को बदलते हैं और आज राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने का भी आधार यही है।

लड़कियों की सुरक्षा, शिक्षा, लिंग अनुपात, स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर आज के दिन ही नहीं बल्कि हर दिन लोगों को विचार करना चाहिए। लड़कियों को भी समान अधिकार दिए जाने चाहिए। उन्हें वह सब करने की आजादी होना चाहिए जो किसी अन्य को मिलती है। आज के दिन सभी को केवल राष्ट्रीय बालिका दिवस की बधाई ही नहीं देनी चाहिये बल्कि सभी को यह शपथ भी लेनी चाहिए कि हम लड़कियों का सम्मान करेंगे और हर क्षेत्र में उनको बढ़ावा देंगे।

मनाने का कारण

आज बालिका हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही

है लेकिन आज भी वह अनेक कुरीतियों का शिकार हैं। ये कुरीतियों उसके आगे बढ़ने में बाधाएँ उत्पन्न करती है। पढ़े–लिखे लोग और जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है। आज हजारों लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही मार दिया जाता है या जन्म लेते ही लावारिस छोड़ दिया जाता है। आज भी समाज में कई घर ऐसे हैं, जहाँ बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जा रही है। भारत में 20 से 24 साल की शादीशुदा औरतों में से 44.5 प्रतिशत (करीब आधी) औरतें ऐसी हैं, जिनकी शादियाँ 18 साल के पहले हुई हैं। इन 20 से 24 साल की शादीशुदा औरतों में से 22 प्रतिशत (करीब एक चौथाई) औरतें ऐसी हैं, जो 18 साल के पहले माँ बनी हैं। इन कम उम्र की लड़कियों से 73 प्रतिशत (सबसे ज़्यादा) बच्चे पैदा हुए हैं। इन बच्चों में 67 प्रतिशत (दो–तिहाई) कुपोषण के शिकार हैं।

अनुपात

कन्या भ्रूण हत्या की वजह से लड़कियों के अनुपात में काफी कमी आयी है। पूरे देश में लिंगानुपात 933:1000 है।

वृद्धि दर में गिरावट

1991 की जनगणना से 2001 की जनगणना तक, हिन्दू और मुसलमानों दोनों की ही जनसंख्या वृद्धि दर में गिरावट आई है। 2001 की जनगणना का यह तथ्य सबसे ज्यादा हैरान करता है कि 0 से 6 साल के बच्चों के लिंग अनुपात में भी भारी गिरावट आई है। यहाँ कुल लिंग अनुपात में 8 के अंतर के मुकाबले बच्चों के लिंग अनुपात में अब 24 का अंतर दर्ज है। यह उनके स्वास्थ्य और जीवन–स्तर में गिरावट का अनुपात भी है। यह अंतर भयावह भविष्य की ओर भी इशारा करता है। एशिया महाद्वीप में भारत की महिला साक्षरता दर सबसे कम है। गौरतलब है कि 'नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रंस राइट्स' यानी एनसीपीसीआर की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि भारत में 6 से 14 साल तक की ज्यादातर लड़कियों को हर दिन औसतन 8 घंटे से भी ज्यादा समय केवल अपने घर के छोटे बच्चों को संभालने में बिताना पड़ता है। इसी तरह, सरकारी आँकड़ों में दर्शाया गया है कि 6 से 10 साल की जहाँ 25 प्रतिशत लड़कियों को स्कूल छोड़ना पड़ता है, वहीं 10 से 13 साल की 50 प्रतिशत (ठीक दोगुनी) से भी ज्यादा लड़कियों को स्कूल छोड़ना पड़ता है। 2008 के एक सरकारी सर्वेक्षण में 42 प्रतिशत लड़कियों ने यह बताया कि वे स्कूल इसलिए छोड़ देती हैं, क्योंकि उनके माता–पिता उन्हें घर संभालने और अपने छोटे भाई–बहनों की देखभाल करने को कहते हैं। लोगों को इसके दुष्परिणामों के प्रति आगाह करने और लड़कियों को बचाने के लिए 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है।

बाधाएँ

लड़कियों के आगे न बढ़ने के कारण यह भी है कि अक्सर घरों में कहा जाता है कि अगर लड़की है, तो उन्हें घर संभालने और अपने छोटे भाई–बहनों की देखभाल करने की अधिक जरूरत है। इस प्रकार की बातें उसके सुधार की राह में बाधाएँ बनती हैं। इन्हीं सब स्थितियों और भेदभावों को मिटाने के मकसद से 'बालिका दिवस' मनाने पर जोर दिया जा रहा है। इसे बालिकाओं की अपनी पहचान न उभर पाने के पीछे छिपे असली कारणों को सामने लाने के रूप में मनाने की जरुरत है, जो सामाजिक धारणा को समझने के साथ–साथ बालिकाओं को बहन, बेटी, पत्नी या माँ के दायरों से बाहर निकालने और उन्हें सामाजिक भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने में मदद के तौर पर जाना जाए।

सुझाव

राष्ट्रीय बालिका दिवस के दिन हमें लड़का–लड़की में भेद नहीं करने व समाज के लोगों को लिंग समानता के बारे में जागरूक करने की प्रतिज्ञा लेनी चाहिए। देश में लड़कियों की घटती संख्या को देखते हुए ही राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाने लगा है।

भेदभाव

समाज में आज भी बालक और बालिकाओं में भेदभाव किया जा रहा है। यही कारण है कि बालिकाओं को जन्म लेने से पहले (भ्रूण) ही खत्म करवाया जा रहा है। सभी को मिलकर इस कुरीति को मिटाना है। बाल विवाह, भ्रूण हत्या, शिशु मृत्यु दर रोके जाने, स्तनपान कराने, नियमित टीकाकरण, दहेज प्रथा एवं अन्य सामाजिक ज्वलंत विषयों में सुधार लाना चाहिए।

जीने का उसको भी अधिकार,
चाहिए उसे थोड़ा सा प्यार।
जन्म से पहले न उसे मारो,
कभी तो अपने मन में विचारो।
शायद वही बन जाए सहारा,
डूबते को मिल जाए किनारा।।

आत्मनिर्भरता

बालिकाओं की सेहत, पोषण व पढ़ाई जैसी चीजों पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है ताकि बड़ी होकर वे शारीरिक, आर्थिक, मानसिक व भावनात्मक रूप से आत्मनिर्भर व सक्षम बन सकें। बालिकाओं को घरेलू हिंसा, बाल विवाह व दहेज जैसी चीजों के बारे में सचेत करना चाहिए। उन्हें अपने अधिकारों के प्रति भी जागरूक बनाया जाना चाहिए। किशोरियों व बालिकाओं के कल्याण के लिए सरकार ने 'समग्र बाल विकास सेवा', 'धनलक्ष्मी' जैसी योजनाएँ चलाई हैं। हाल ही में लागू हुई 'सबला योजना' किशोरियों के सशक्तीकरण के लिए समर्पित है। इन सबका उद्देश्य लड़कियों, खासकर किशोरियों को सशक्त बनाना है ताकि वे आगे चलकर एक बेहतर समाज के निर्माण में योगदान दे सकें।

बालिका दिवस का नारा–

बेटी कुदरत का उपहार
नहीं करो उसका तिरस्कार
जो बेटी को दे पहचान
माता-पिता वही महान

गतिविधि दर्पण

प्रदेश में विभिन्न स्तरों पर आयोजित गतिविधियों, शिविर इत्यादि की संक्षिप्त रिपोर्ट

भरतपुर मण्डल

स्थानीय संघ भरतपुर की कार्यकारिणी बैठक आयोजित

भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, भरतपुर के सत्र 2021–22 की द्वितीय कार्यकारिणी की बैठक 8 दिसम्बर को राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, मण्डल मुख्यालय, भरतपुर पर सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता केदार पाराशर प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर (स्काउट) ने की। इसके मुख्य अतिथि सहायक राज्य संगठन आयुक्त रामजस लिखाला थे। विशिष्ट अतिथि सी.ओ (स्काउट) राजेन्द्र प्रसाद मीणा, जगदीश उपमन, प्रतापसिंह, हरवान सिंह, रघुवर सिंह थे। बैठक में पूरन चन्द ने गत वर्ष का वार्षिक आय–व्यय और आगामी बजट ब्यौरा पेश किया। सचिव भानुप्रताप सिंह ने स्थानीय संघ का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। गत वर्ष की उपलब्धियाँ प्रस्तुत की और आगामी वर्ष की कार्य योजनाओं पर विचार रखा जिसका कार्यकारिणी ने अनुमोदन किया। मुख्य अतिथि रामजस लिखाला ने अपने उद्बोधन में कहा कि भरतपुर संभाग स्काउट/गाइड गतिविधियों में राजस्थान में

महत्वपूर्ण स्थान रखता है। बैठक में केदार पाराशर प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर, सी.ओ स्काउट राजेन्द्र प्रसाद मीणा, जगदीश उपमन, प्रतापसिंह, हरवान सिंह एवं नरेन्द्र कुमार शर्मा आदि वक्ताओं ने भरतपुर में स्काउट गाइड गतिविधियों को प्रभावशाली तरीके से विद्यालयों में संचालित करने के लिए अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यकारिणी में कोटामनी संग्रहण, स्काउट/गाइड का द्वितीय/तृतीय सोपान आवासीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने व अन्य गतिविधि आयोजित करने का कार्यक्रम निर्धारित किया।

जयपुर मण्डल

बेसिक कोर्स में गाइडर्स ने लिया प्रशिक्षण

भारत स्काउट व गाइड, मण्डल मुख्यालय, जयपुर के तत्वावधान में 9 से 15 दिसम्बर तक बीएसटीसी

छात्राध्यापिकाओं का फ्लॉक लीडर व गाइड कैप्टिन बेसिक कोर्स का आयोजन किया गया, जिसमें 7 संस्थानों से 267 संभागियों ने सहभागिता कर प्रशिक्षण प्राप्त किया। फ्लॉक लीडर कोर्स का संचालन एएलटी (बुलबुल) स्नेहलता मुद्‌गल तथा गाइड कैप्टिन कोर्स का संचालन एएलटी (गाइड) परमेश्वरी चारण ने किया।

शिविर के दौरान राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, सहायक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) नीता शर्मा, सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) पूरणसिंह शेखावत व अन्य पदाधिकारियों ने अवलोकन किया।

शिविर में दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा प्रवेश से लेकर तृतीय सोपान तक के सम्पूर्ण कोर्स नियम प्रतिज्ञा, सिद्धान्त, झण्डों की जानकारी, ध्वज शिष्टाचार, भलाई के कार्य, कम्पास व दिशाओं का ज्ञान, आग जलाना, भोजन बनाना, फर्स्टऐड, पायनियरिंग, अनुमान लगाना, कम्पनी ग्रुप मीटिंग, गाइड गणवेश, संगठन की जानकारी, गाइड की चरणबद्ध प्रगति योजना, हाइक, परम्परागत चिन्ह, गाइडिंग के खेल, बी.पी. सिक्स इत्यादि विषयों का प्रशिक्षण दिया गया। शिविर की भौतिक व्यवस्थाएं सी.ओ. गाइड ऋतु शर्मा द्वारा की गई। शिविर का समापन 15 दिसम्बर को ध्वजावतरण कर राष्ट्रगान के साथ किया गया।

शिविरार्थियों ने लिया विविध कलाओं का प्रशिक्षण

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में 3 से 9 दिसम्बर तक जिला स्तरीय गाइड कैप्टिन बेसिक कोर्स एवं शेखावाटी एसटीसी के छात्र अध्यापकों एवं अध्यापिकाओं का स्काउट गाइड 7 दिवसीय ग्रुप शिविर का आयोजन पुरूषोत्तम सोनी शिविर संचालक, परमेश्वरी चारण शिविर संचालिका एवं अजय कुमार के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

शिविर के सम्भागियों ने 6 दिसम्बर को स्वच्छता पखवाड़ा के तहत तालाब के रास्ते की सफाई, सांवली रोड के डिवाईजर

की सफाई की। शिविर में प्रथम सोपान की प्राथमिक सहायता, प्रथम सोपान एवं द्वितीय सोपान की गांठे, हाइक, समाज सेवा, खोज के चिन्ह, कैम्प फायर, चिन्ह सैल्यूट बायां हाथ मिलाना, टोली विधि, स्काउटर गाइडर के दायित्व, स्वास्थ्य के नियम, ध्वजों की जानकारी, यूनिफार्म, शिविर कला, गेजेट्स व अन्य आदर्श ट्रूप मिटिंग, मान सभा, ग्रुप कमेटी एवं ग्रुप कॉन्सिल, स्ट्रेचर बनाना, हैण्ड शीट, टू हैण्ड शीट, थ्री हैण्ड शीट, फोर हैण्ड शीट, स्काउट गाइड साहित्य एव स्काउट गाइड आयु वर्ग के बालक बालिकाओं की विशेषता एवं आवश्यकता, नेतृत्व, स्काउट ट्रूप, गाइड कम्पनी का संचालन सहित अनेक जीवन उपयोगी प्रायोगिक एवं सैद्धान्तिक प्रशिक्षण प्रदान किया। शिविर में अजय कुमार, मोहन लाल सुखाड़िया, संजय कुमार, हिमांशी जैन ने प्रशिक्षण कार्य में अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान की। गाइड कैप्टिन प्रशिक्षण शिविर में गाइड कैप्टिन इन्दू गोदारा, मीना, कमलेश, विजया चौधरी, पिंकी असवाल, नईम आरा, शकुन्तला वर्मा, सुशीला, ललिता चाहर, मंजु शेखावत, तारामणी ने भाग लिया।

राज्य पुरस्कार गाइड जांच शिविर

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, अलवर के तत्वावधान में राज्य पुरस्कार गाइड जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में जिले की गाइड्स ने राज्य पुरस्कार उत्तीर्ण करने के लिए शिविर में सहभागिता कर विभिन्न विषयों की परीक्षा दी। गाइड्स ने प्रायोगिक एवं लिखित परीक्षा के साथ ही मौखित परिक्षाएं भी दी। शिविर के दौरान 23 नवम्बर को जयपुर संभाग की सहायक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) नीता शर्मा ने शिविर का विजिट कर शिविरार्थियों, प्रशिक्षकों व जांचकर्ताओं से विस्तृत जानकारी ली। इस अवसर पर श्रीमती शर्मा ने जिला मुख्यालय, अलवर की भी विजिट की।

म्यूजिकल नाइट से शिविर का हुआ समापन

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, दौसा के तत्वावधान में 02 से 08 दिसम्बर, 2021 तक स्काउट मास्टर व गाइड कैप्टिन बेसिक कोर्स का आयोजन किया गया, जिसमें 09 गाइड कैप्टिन व 39 स्काउट मास्टर्स ने सहभागिता कर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

शिविर में नियम प्रतिज्ञा, सिद्धान्त, स्काउट गाइड चिन्ह, सैल्यूट, आदर्श वाक्य, पायनियरिंग, झण्डों की जानकारी, प्राथमिक चिकित्सा, अनुमान लगाना, हाइक, कैम्पफायर

इत्यादि विषयों का प्रशिक्षण दिया गया। शिविर के दौरान सहा.राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) नीता शर्मा, लालसोट रामगढ़ पंचायत समिति के उपप्रधान सूरज कटारा, सीबीईओ गोविन्द नारायण माली आदि ने विजिट कर गतिविधियों का अवलोकन किया।

7 दिवसीय शिविर का समापन नगर पालिका चेयरपर्सन रक्षा मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में कैम्पफायर म्यूजिकल नाइट सुहानी शाम के आयोजन के साथ हुआ।

स्काउटर गाइडर ने निकाली जन चेतना रैली

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर एवं नेशनल ग्रीन कोर इको क्लब्स सीकर के तत्वावधान में स्वच्छता पखवाडा एवं स्काउट गाइड ऐतिहासिक धरोहर संरक्षण के तहत 9 दिसम्बर को सीकर शहर में 'स्वच्छता है जहाँ तन्दुरूस्ती है वहाँ' थीम पर जन चेतना रैली निकाली गई, जिसे बसन्त कुमार लाटा सी ओ स्काउट सीकर, पुरूषोत्तम सोनी सहायक लीडर ट्रेनर स्काउट एवं परमेश्वरी चारण शिविर सहायक लीडर ट्रेनर गाइड ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। रैली स्काउट गाइड जिला मुख्यालय सीकर से रवाना होकर सॉवली रोड राणी सती होती हुई सीकर के विभिन्न मार्गों से हाथों में स्वच्छता से सम्बन्धित तख्तियॉ लेकर, बेनर के साथ स्वच्छता के नारे लगाते हुये माधव सागर

बडा तालाब सीकर पर पहुंची जहॉ स्काउट गाइड सदस्यों ने स्वच्छता की शपथ ली एवं माधव सागर पर 2 घण्टे श्रमदान कर कचरा निकाला एवं जन साधारण को स्वच्छता का सन्देश दिया।

इस अवसर पर पुरूषोत्तम सोनी सहायक लीडर ट्रेनर स्काउट ने अपने उदबोधन में कहा कि 'स्वच्छता है जहाँ तन्दुरूस्ती है वहाँ' इस नियम का पालन करें एवं स्काउट गाइड द्वारा स्वच्छता के प्रति जन चेतना जागृत की जा रही है जो कि सराहनीय प्रयास है। इस अवसर पर मोहन लाल सुखाडिया के नेतृत्व में मरूधर ऑपन रोवर क्रू, जिला मुख्यालय सीकर के रोवर्स एवं हिमाशी जैन, अजय कुमार, संजय कुमार, दिनेश कुमावत व पद्मनी ऑपन रेन्जर टीम जिला मुख्यालय सीकर की रेन्जर्स, शेखावाटी एसटीसी कॉलेज जयपुर रोड सीकर, डीईएलएड छात्राध्यापक, छात्राध्यापिका, रोवर रेन्जर एवं स्काउट्स एवं गाइड्स सदस्यों ने भाग लिया।

प्रथम सीडीएस को दी श्रद्धांजलि

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में 10 दिसम्बर को देश के पहले सीडीएस एवं देशभक्त बिपिन रावत एवं अन्य सैन्य अधिकारियों के हेलीकॉप्टर दुर्घटना में निधन होने पर स्काउट गाइड, जिला मुख्यालय पर बसंत कुमार लाटा सी ओ स्काउट, पुरुषोत्तम सोनी, परमेश्वरी चारण के नेतृत्व में सर्वधर्म प्रार्थना सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई एवं उनके परिजनों को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने हेतु ईश्वर से कामना की। कार्यक्रम में स्काउट गाइड रोवर्स

रेंजर्स, विभिन्न विद्यालयों की गाइड कैप्टन, शेखावाटी एसटीसी जयपुर रोड के स्काउट गाइड छात्र अध्यापक अध्यापिका, एवं स्काउट गाइड पदाधिकारी मौजूद थे। इस अवसर पर प्रातः स्मरामि सरस्वती वंदना, गुरु महिमा रामधुन, नामधुन विभिन्न धर्मों की प्रार्थना, हर देश में तू, हम होंगे कामयाब, शांति पाठ व अन्य भजन व प्रार्थनाएं की गई।

प्रशासन गांव के संग अभियान में दी सेवाएं

- भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, थोई (सीकर) के स्काउट गाइड ने 11 दिसम्बर को प्रशासन गांव के संग अभियान थोई में सचिव सुवालाल कुमावत, प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर सतीश चन्द्र शर्मा, सहायक सचिव घासी राम वर्मा के निर्देशन में सेवा कार्य किया, जिसमें कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करवाने, फार्म भरना, कतार में खड़े करना, असहायों की सहायता, सही मार्गदर्शन, वृद्धजनों की सहायता सहित अनेक कार्य किए। स्काउट गाइड एवं डॉ. बी आर अंबेडकर ओपन क्रू के रोवर व पदाधिकारियों ने शानदार सेवाएं प्रदान की। स्काउट गाइड के इस शानदार व

सराहनीय सेवा की सभी अधिकारियों ने प्रशंसा की। सुरेश कुमार, गुलझारी लाल ने भी सहयोग प्रदान किया, उपखंड अधिकारी ने सभी स्काउट गाइड का सम्मान किया।

आपदा प्रबन्धन का किया अभ्यास

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में 7 दिसम्बर को शिविर सम्भागियों ने आपदा प्रबन्धन का अभ्यास किया। बसन्त कुमार लाटा सी ओ स्काउट सीकर, पुरूषोत्तम सोनी शिविर संचालक, परमेश्वरी चारण शिविर संचालिका, अजय कुमार, संजय कुमार, दिनेश कुमावत, हिमांशी जैन के नेतृत्व में पद्मनी ऑपन रेन्जर टीम जिला मुख्यालय सीकर की रेन्जर्स, शेखावाटी एसटीसी कॉलेज जयपुर रोड सीकर के डीएलएड छात्राध्यापक, छात्राध्यापिका, गाइड कैप्टिन बेसिक कोर्स के संभागियों को बाढ, आग, दुर्घटना, भूकम्प सहित अनेक विपदाओं में आमजन की सहायता कैसे की जाये, का प्रायोगिक अभ्यास करवाया गया।

इस अवसर पर बहुमंजिला इमारतों में आग लगने पर लोगों को फायर मेन चौयर नोट, गैस के रिसाव के समय लोगों को बिना क्षति के बोलाईन गॉठ के माध्यम से बाहर निकालना, विभिन्न प्रकार के स्ट्रेचर बनाना, त्रिम श्वसन क्रिया, दरी के माध्यम से उतारना, डूबते हुए को बचाना सहित अनेक कार्य सिखाये गये एवं गैस के रिसाव एवं सलेण्डर में लगी आग को सुरक्षा के साथ बुझाने का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया जिससे विभिन्न अवसरों पर होने वाली आपदाओं में स्काउट गाइड सदस्य अपने गॉव, ढाणी, कस्बें एवं शहरों में सहयोग कर सकेंगे।

जोधपुर मण्डल

सिरोही में यूनिट लीडर बेसिक कोर्स आयोजित

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही के तत्वावधान में स्काउट यूनिट लीडर बेसिक कोर्स एवं यूएसबी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय आबूरोड का ग्रुप वार्षिक शिविर स्काउट गाइड जिला मुख्यालय पर 4 से 10 दिसम्बर तक आयोजित किया गया। सी.ओ. स्काउट नरेंद्र खोरवाल ने बताया कि 9 दिसम्बर को जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक शिक्षा एवं कार्यवाहक मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी सिरोही भंवर सिंह ने शिविर का अवलोकन किया। श्री सिंह ने कहा कि जिले के समस्त राजकीय एवं निजी विद्यालयों में भारत स्काउट गाइड गतिविधि का पंजीकरण एवं संचालन अनिवार्य है। समय समय पर आयोजित होने वाले बेसिक कोर्स में अध्यापक अध्यापिका द्वारा प्रशिक्षण लिया जाना चाहिए। साथ ही प्रशिक्षण लेने के बाद विद्यालय में गतिविधि संचालन एवं

बालकों की योग्यता वृद्धि से राष्ट्रपति अवार्ड तक पहुंचाने में सहायता करनी चाहिए।

विशिष्ट अतिथि के रुप में गणपत सिंह देवड़ा पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी ने शिविरार्थियों को योग प्राणायाम के दैनिक जीवन में महत्व बताते हुए सूक्ष्म व्यायाम का प्रदर्शन कराया। कमल किशोर पुरोहित लीडर ट्रेनर एवं शिविर संचालक ने अतिथियों के समक्ष शिविर का संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

शिविर में कमल किशोर पुरोहित लीडर ट्रेनर ने शिविर संचालक के रुप में एवं भंवर सिंह दहिया, बाबू लाल सैनी हिमालय वुड बैज, योग प्रशिक्षक रमेश कुमार ने शिविर संचालन में दक्ष प्रशिक्षक के रुप में अपनी सेवाएं प्रदान की।

मतदाता जागरुकता अभियान के तहत वार्ता आयोजित

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही के तत्वावधान में स्काउट यूनिट लीडर बेसिक कोर्स एवं यूएसबी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय आबूरोड का ग्रुप वार्षिक शिविर का आयोजन 4 से 10 दिसंबर तक स्काउट गाइड जिला मुख्यालय सिरोही पर हुआ।

शिविर में 10 दिसम्बर को उपखंड अधिकारी सिरोही रमेश चन्द्र बहेड़िया ने कहा की जीवन में अगर अनुशासन और समय प्रबंधन का सही तालमेल हो तो लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। बहेड़िया ने स्काउट शिविर में सर्वप्रथम आगमन पर शिविर स्थल का जायजा लिया एवं संभागियों के दैनिक कार्यक्रम के बारे में जाना और व्यवस्थित चलने वाले कार्यक्रम की प्रशंसा की।

जिला निर्वाचन अधिकारी सिरोही के निर्देशन में मतदाता जागरुकता अभियान के अंतर्गत समग्र शिक्षा सिरोही के कार्यक्रम अधिकारी रति राम प्रजापत ने ईवीएम मशीन की जानकारी, वोटर हेल्पलाइन मोबाइल ऐप, मतदाता सूची में अपना नाम जोड़ने हटाने एवं संशोधन करने से संबंधित विस्तार से जानकारी प्रदान की, बीएलओ के पास होने वाले गरुड़ एप के साथ यह बताया कि वोटर हेल्पलाइन मोबाइल ऐप से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ा जाए ताकि अपना कार्य वे स्वयं कर सकें।

खेल-खेल में ज्ञानेंद्रियों का परीक्षण

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही के तत्वावधान में आयोजित ग्रुप वार्षिक शिविर के दौरान 11 दिसम्बर को संभागियों को खेल खेल में विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिए गये।

परीक्षण प्रशिक्षक बाबू लाल सैनी के नेतृत्व में पाठ्यक्रम पर आधारित किम गेम का आयोजन किया गया जिसमें ज्ञानेन्द्रियों का परीक्षण के अंतर्गत सूंघना, चखना, सुनना,

देखना, स्पर्श का खेल खेल में संभागियों द्वारा भरपूर आनंद लिया गया। प्रशिक्षक भंवर सिंह एवं रमेश कुमार के नेतृत्व में पाठ्यक्रम पर आधारित बाहरी भ्रमण के तहत खोज के चिन्ह के आधार पर पैदल हाईक का आयोजन किया गया, जिसमें संभागियों को अपनी मंजिल का बिना पता बताये खोज के चिन्ह के आधार पर रवाना किया गया। अंत में सभी मातर माता पहुँचे और गीत व भजन गाया तथा स्वयं द्वारा बनी चाय पीकर अपनी थकान उतार पैदल हाईक का लुफ्त उठाया।

एक दिवसीय हाइक (वन भ्रमण)

- संघवी हंसराज कानाजी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जीरावल के स्काउट बालचरों की एक दिवसीय वार्षिक हाइक का आयोजन विद्यालय से जागेश्वर महादेव मंदिर तक किया गया। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ रेवदर सचिव मुकेश पुरोहित के अनुसार राज्य मुख्यालय जयपुर व जिला मुख्यालय सिरोही के सी. ओ. नरेंद्र खोरवाल के निर्देशानुसार वार्षिक कलेन्डर के तहत स्थानीय विद्यालय

के स्काउट बालचरों का एक दिवसीय हाइक (वन भ्रमण) का आयोजन संस्था प्रधान कमल कांत शर्मा के निर्देशन में किया गया। विद्यालय से जैन मंदिर, देवासी वास होकर दुर्गम वन क्षेत्र पहाड़ी पर स्थित जागेश्वर महादेव का भ्रमण किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रकार की वन औषधियों की भी जानकारी दी गई। बालचरों ने जागेश्वर महादेव मंदिर में सेवा कार्य कर साफ सफाई की। मंदिर से प्रस्थान कर पंचदेवल बांध का अवलोकन किया। सरन का खेडा प्राथमिक विद्यालय के छात्र छात्राओं व ग्रामीणों को कोरोना जागरूकता का संदेश दिया। विद्यालय पहुँच कर स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत वाटिका की साफ सफाई की गई। बालचर भंवर, दीपक, देवाराम, तुलसीराम, जितेंद्र, प्रकाश, सुरेश का सहयोग रहा।

कोटा मण्डल

बाल-विवाह व नशामुक्ति की दी जानकारी

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झालावाड़ के तत्वावधान में आयोजित स्काउट मास्टर एवं कब मास्टर बेसिक कोर्स 03 से 09 दिसम्बर तक संचालित किया गया। शिविर संचालन हेतु भरतपुर से विशेष दक्ष मुकुट बिहारी गुप्ता

एवं यादराम जी को आंमत्रित किया गया, जिन्होंने कठिन परिश्रम के साथ अनुशासित तरीके से शिविर का संचालन किया। शिविर में जिला शिक्षा अधिकारी पुरूषोत्तम माहेश्वरी ने 6 दिसम्बर को सभी शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए विद्यालयों में पैक व ट्रूप के संचालन के लिये प्रेरणा दी। 7 दिसम्बर को जिला प्रशिक्षण आयुक्त कृष्ण मोहन देवड़ा ने ध्वजारोहण किया व सभी शिविरार्थियों को बाल विवाह व नशामुक्ति की जानकारी दी साथ ही गीतों के माध्यम से उत्साहवर्द्धन किया। शिविर को सफल बनाने हेतु सी.ओ. स्काउट रामकृष्ण शर्मा, लोकेन्द्र शर्मा, रवि मोदी, भीकम सिंह, हेमराज मीणा, बिरधीलाल मीणा, हरिश कुमार, चौथमल शर्मा, हरिओम द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

रैली निकाल मनाया आजादी का अमृत उत्सव

- आजादी के अमृत उत्सव के तहत 9 दिसम्बर को राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झालावाड़ से

रैली का शुभारम्भ कृष्ण मोहन देवड़ा जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट झालावाड़ द्वारा हरी झण्डी दिखाकर किया गया। रैली मुख्य मार्गों से होते हुए गगनचुम्बी आजादी व नशामुक्ति के नारे लगाते हुए गागरोन किले पर पहुंची। महेन्द्र सिंह अधीक्षक संग्रहालय झालावाड़ ने गागरोन किले पर सभी 96 अध्यापकों का स्वागत किया। सभी शहीदों की याद दिलाई और किले के बारे में विस्तार से समझाया। कार्यक्रम में सी.ओ. स्काउट रामकृष्ण शर्मा, ट्रेनिंग काउन्सलर लोकेन्द्र शर्मा, रवि मोदी, भीकम सिंह, हेमराज मीणा, बिरधीलाल मीणा, हरीशकुमार, चौथमल शर्मा, हरिओम उपस्थित रहे।

संविधान दिवस पर विभिन्न गतिविधियाँ

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झालावाड़ पर संविधान दिवस के उपलक्ष्य में 26 नवम्बर को झालावाड़ जिले के रोवर/रेंजर एवं स्काउट व गाइड द्वारा रैली निकाली गई। रैली का शुभारम्भ पुरूषोत्तम माहेश्वरी, जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा हरी झण्डी दिखाकार किया गया इससे पूर्व रामकृष्ण शर्मा, सी.ओ. स्काउट झालावाड़ द्वारा संविधान की प्रतिज्ञा करवाई गई। महेन्द्र निर्मल, प्रभारी पर्यटन विभाग ने संग्रहालय पर रैली का स्वागत किया व संग्रहालय में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत स्वतन्त्रता संग्राम पर आधारित निबन्ध प्रतियोगिता व प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में स्काउट, गाइड एवं रोवर, रेंजर ने भाग लिया। रैली के समापन कार्यक्रम में कृष्णमोहन देवड़ा जिला प्रशिक्षण आयुक्त झालावाड़ द्वारा मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना, बालविवाह रोकथाम, नशामुक्ति की प्रतिज्ञा करवाई व गीतों के माध्यम से सभी सम्भागियों को

प्रेरणा प्रदान की।

रैली में ट्रेनिंग काउन्सलर बिरधीलाल मीणा, रविन्द्र सौगरिया, चौथमल शर्मा, रवि मोदी, रमा पाटीदार, मेहराजबी, मधु शर्मा, प्रतिमा पुलक, हरिओम रोवर स्काउट श्री राकेश, बिरम, भोला, पर्वत, नन्नुराम ने विशेष सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में राजकीय पी.जी. कॉलेज, कन्या महाविद्यालय, एकलव्य महाविद्यालय के रोवर रेंजर ने भाग लिया।

उदयपुर मण्डल

स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत के तहत दिया श्रमदान

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, प्रतापगढ़ का राज्यपाल पुरस्कार स्काउट गाइड रोवर रेंजर अभिशंसा शिविर 22 से 24 नवम्बर 2021 तक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अरनोद रोड़ मनोहरगढ़ प्रतापगढ़ पर आयोजित किया गया, जिसमें स्काउट गाइड ने मौखिक परीक्षा दी तथा 22 नवम्बर को स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत के तहत विद्यालय परिसर में श्रमदान किया। विद्यालय परिसर में स्काउट गाइड ने घास–फूस साफ कर स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत का सन्देश दिया। शिविर में उत्तीर्ण स्काउट गाइड को महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा अपने हस्ताक्षर युक्त प्रमाण पत्र दिया जायेगा।

शिविर के दौरान जल सरंक्षण पर आयोजित संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए आनन्दी लाल ठाकुर स्थानीय संघ सचिव प्रतापगढ़ ने कहा कि हमें जल के महत्व को समझना चाहिए। उन्होंने जल के महत्व को अनेक प्रेरणा दायक कहानियों से स्काउट गाइड को समझाया। उन्होंने विद्यालयों में इको क्लब के तहत किये जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि स्काउट गाइड विद्यालय में साफ–सफाई, गॉव के सार्वजनिक स्थलों की साफ–सफाई, विद्यालय एवं गॉव के जल स्थलों की साफ–सफाई एवं विद्यालय एवं गॉव में पॉलीथिन का उपयोग नहीं करने हेतु लोगो को प्रेरित करें एवं विद्यालय में पॉलीथिन का किसी भी प्रकार से उपयोग न हो इसके लिए स्काउट गाइड एवं इको क्लब के माध्यम से अन्य बालक–बालिकाओं को प्रेरित करें।

ध्वजारोहण कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य परीक्षक बाबु सुबोध शर्मा ने कहा कि स्काउट सेवा का पर्याय है इसलिए हमें हमेशा बुर्जग असहाय एवं वृद्धजन की सेवा करते रहना चाहिए। उन्होंने स्काउट गाइड को शुभकामना देते हुए कहा कि स्काउट गाइड एक ऐसा संगठन है जो बालक—बालिकाओं का सर्वांगीण विकास करने में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने स्काउट गाइड रोवर रेंजर से अपील की कि अधिकाधिक जनसेवा के कार्य करें एवं प्रशासन के कार्यों में पूर्ण सहयोग करें।

राज्यपाल अवार्ड के लिए स्काउट्स ने दी परीक्षा

राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड राज्य मुख्यालय जयपुर के निर्धारित वार्षिक कार्यक्रमानुसार प्रतापगढ़ जिले का राज्यपाल पुरस्कार स्काउट गाइड रोवर रेजर अभिशंसा शिविर 22 से 24 नवम्बर 2021 तक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अरनोद रोड़ मनोहरगढ़ प्रतापगढ़ पर आयोजित किया जा रहा हैं। जिसमें स्काउट गाइड ने आज मौखिक एवं लिखित परीक्षा।

सी.ओ गाइड रेखा शर्मा ने बताया कि 22 से 24 नवम्बर, 2021 तक आयोजित स्काउट गाइड राज्य पुरस्कार जांच शिविर में कुल पंजीकृत स्काउट 299 में से 156 स्काउट, 231 गाइड्स में से 124 गाइड्स, 24 रोवर में से 05 रोवर व 21 रेंजर में से 10 रेंजर ने राज्य पुरस्कार अवार्ड के लिए मौखिक एवं लिखित परीक्षा दी। इस परीक्षा में उत्तीर्ण स्काउट गाइड रोवर रेंजर को महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा अपने हस्ताक्षर युक्त प्रमाण पत्र दिया जायेगा।

शिविर में परीक्षक एवं स्टाफ के रूप में आनन्दी लाल ठाकुर, पुरूषोत्तम लाल मोड़, हीरालाल मालवीय, कमलेश कुमार नागर, विनोद कुमार मीणा, औंकारलाल मीणा, भैरूलाल मीणा, सौरभ व्यास, श्यामलाल मीणा, भीमराज मीणा, सुरेश कुमार बलाई, सजय कुमार मेहता, रमेशचन्द्र मीणा, मानसिह देवड़ा, यशोदा सोनी, कल्पना शर्मा, उमा सालवी, सुभिता चौधरी, चन्दा मीणा, शुभांगी शर्मा, एश्वर्या राठौर, फहीन खान, सुगना मीणा, लिपिक लोकेन्द्र कुमार माली शिविर में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

गांधी हेल्प डेस्क पर गाइड्स ने दी सेवाएं

उदयपुर जिला परिक्षेत्र के गोगुंदा उपखंड में स्थित ग्राम मोड़ी में प्रशासन गांव के संग अभियान शिविर में गाइडर व व्याख्याता माधवी त्रिपाठी के नेतृत्व में गांधी हेल्पडेस्क की स्थापना कर गाइड्स ने सेवाएं दी।

प्रशासन गांव के संग अभियान के तहत आयोजित शिविर में गाइड्स ने गांधी हेल्प डेस्क पर सेवा देते हुए लोगों को आवश्यक जानकारी प्रदान करने के साथ ही वृद्धजन सेवा, दिव्यांग ग्राम वासियों की सेवा, छात्रों व अन्य ग्रामीणों के जाति प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की समस्याओं से संबंधित आवेदन पत्र भरने का कार्य करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारी से संपर्क कराने का कार्य किया। साथ ही समस्त विभागों के अधिकारियों कर्मचारियों

हेतु जल सेवा व्याख्याता एवं गाइडर माधवी त्रिपाठी के नेतृत्व में किया गया। प्रशासन गांव के संग अभियान शिविर की प्रभारी नीलम लखारा उपखंड अधिकारी गोगुंदा, लाल सिंह झाला निवर्तमान जिला अध्यक्ष देहात जिला कांग्रेस कमेटी उदयपुर, डॉ. मांगीलाल गरासिया पूर्व मंत्री एवं पीसीसी महासचिव राजस्थान सरकार, जितेंद्र सिंह राजावत विकास अधिकारी गोगुंदा, विमलेन्द्र सिंह तहसीलदार अंबालाल खटीक एसीबीईओ गोगुंदा, कमली बाई सरपंच मोड़ी, प्रहलाद सिंह झाला उपसरपंच मोड़ी, ग्राम विकास अधिकारी मुकेश सिंह का गाइड्स द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर किया गया।

इस अवसर पर उपखंड अधिकारी नीलम लखारा ने गाइड प्रभारी माधवी त्रिपाठी सहित सभी गाइड्स को शिविर में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान करते हुए मोड़ी की गाइड्स द्वारा निःस्वार्थ भाव से शिविर में की गई सेवा के लिए सभी गाइड्स को धन्यवाद दिया।

शिविर में उपस्थित सभी विभागों के अधिकारी व जन–प्रतिनिधियों ने मुक्तकंठ से गाइड्स द्वारा दी गई सेवाओं की प्रशंसा की। शिविर को सफल बनाने में विद्यालय परिवार से मोहम्मद हमीद शेख व सोहन लाल नाई का सहयोग रहा।

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में 'विश्व संरक्षण' दक्षता बैज की जानकारी दी जा रही है।

विश्व संरक्षण
WORLD CONSERVATION

बालिकाओं को विश्व संरक्षण से अवगत कराने और इसके महत्व बताते हुए इसके लिए किये जाने वाले कार्यों व उपायों की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से विश्व संरक्षण दक्षता बैज का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। विश्व संरक्षण बैज उत्तीर्ण करने हेतु निम्नांकित में से कोई तीन कार्य करने होंगे :–

1. किसी चिड़िया घर, वनस्पति उद्यान, प्राकृतिक ऐतिहासिक संग्रहालय का अवलोकन करें या वन्य जन्तुओं के बारे में कोई फिल्म देखें और परीक्षक को अपनी जानकारी से अवगत करायें।
2. किसी पालतू पशु का कम से कम तीन माह तक पालन कर उसकी सावधानीपूर्वक देखभाल करें।
3. एक घंटा कार्य कर किसी पब्लिक पार्क, बगीचे, विद्यालय परिसर या अन्य सार्वजनिक स्थान पर 'कूड़ा उठाओ' अभियान में सम्मिलित होकर कम से कम 3 घंटे कार्य करें परन्तु एक बार में एक ही घंटा कार्य करें।
4. सामूहिक रूप से किसी प्रकृति अध्ययन कार्य में भाग ले व अपने संग्रहों की एक संग्रहिता तैयार करें।
5. एक स्थान पर पक्षियों के लिए चुग्गा व पानी कुण्ड बनाना व कायम रखना।
6. पक्षियों के रहने के लिए घोंसला पेटी तैयार करना और बनाये रखना।
7. किसी उजाड़ भूमि पर झाड़ी या घास उगाना और 3 माह तक इसे बनाये रखना।
8. घर के पिछवाड़े या बगीचे में कम्पोस्ट खाद इक्ट्ठा कर तैयार करना।
9. भूक्षरण की हानियाँ बताकर उसको रोकने के उपाय प्रदर्शित करना।
10. घर के बाहर पर्यावरण सुधार हेतु पेड़ लगाना या हरियाली के लिए घास उगाकर उद्यान तैयार करना।

निम्नलिखित परियोजनाओं में से एक को पूरा करें –

– एक संग्रह पुस्तिका तैयार करें और चिड़ियाघर के पाँच पशुओं के बारे में उनके मौलिक देश, उनके खाने की आदतों और उनकी देखरेख व सावधानी के विषय में विस्तृत विवरण का उल्लेख करते हुए उस पुस्तिका को परीक्षक को बताए।

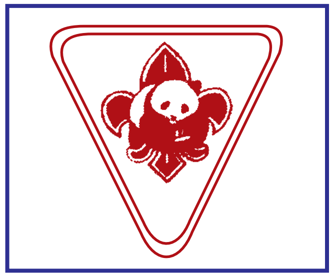

– अपने अन्य सदस्यों के लिए प्राकृतिक पथ अनुसरण के लिए खोज चिन्हों की व्यवस्था करना।

– किसी वन्य पशु, वृक्ष, मछली या चिड़िया के विषय में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करें और उसको रिपोर्ट के रूप में परीक्षक को बताए।

कैसे प्राप्त करें –

– बुलबुल की रूचि अनुसार विकल्प दिये गए है, इनमें से चयनित कार्य करने होते हैं।

– इस बैज को प्राप्त करने के लिए चयनित कार्य ऐसे हैं जिन्हें लम्बे समय अर्थात कम से कम तीन माह की अवधि तक कुछ परिणाम हासिल करने के लिए भी तीन माह की अवधि होगी।

– प्रकृति अवलोकन, भ्रमण व चिड़ियाघर विजिट।

– संग्रह करना (पंखों, पत्तों, फूलों, जड़ों, छालों, पत्थरों का)।

– टेलीविजन द्वारा डिस्कवरी चेनल से पशु–पक्षियों की आदतों व खान–पान की जानकारी।

– बागवानी व हरियाली से लगाव उत्पन्न करने के लिए विभिन्न कार्यों का दायित्व देकर।

– समाज में सामुदायिक कार्यों में सहयोग व समाज सेवा का आयोजन कर।

– खाद निर्माण, चुग्गा पात्र व परिण्डे इत्यादि तैयार करना।

– भूमि को तैयार (अधिक उपजाऊ बनाकर) कर खाद निर्माण, मृदा अपरदन को रोकने की विधियों को बताना व उसका उपयोग करना।

हमारे महापुरुष

'आजादी का दीवाना' नेताजी सुभाष चन्द्र बोस

23 जनवरी
जयन्ति पर विशेष

◇ **रामकृष्ण शर्मा**
ए-३४, किसान कालोनी,
सांगानेर, जयपुर

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस भारत को क्रांतिकारी प्रयासों से अतिशीघ्र आजादी दिलवाना चाहते थे। २२ जून, १९३९ को 'आल इंडिया फारवर्ड ब्लाक' का गठन किया। अंग्रेजो के विरूद्ध आजादी की लड़ाई मे विजय प्राप्त करने के लिए सुभाष चन्द्र बोस श्रीमद्भगवत गीता के अनुसार कर्मपथ पर निरन्तर आगे बढ़ते रहने के सिद्धान्त को महत्वपूर्ण मानते थे।

'तुम मुझे खून दो,
मैं तुम्हें आजादी दूंगा।'

भारतमाता को गुलामी की जंजीरों से आजाद कराने के लिए नौजवानों से मातृभूमि की पवित्र बलिवेदी पर सर्वस्व समर्पण करने का आव्हान करने वाले 'नेताजी सुभाष चन्द्र बोस' स्वतन्त्रता संग्राम के प्रमुख नेता थे।

सुभाष चन्द्र बोस का जन्म उड़ीसा के कटक में एक बंगाली हिन्दु परिवार में 23 जनवरी, 1897 को हुआ। उनके पिता श्री जानकीनाथ बोस एक प्रसिद्ध वकील तथा उनकी माताजी श्रीमती प्रभावती देवी एक सदाचारी धार्मिक प्रवृति की महिला थी। सुभाष चन्द्र बोस बचपन से ही अत्यन्त कुशल, मेघावी एवं असाधारण प्रतिभा सम्पन्न थे। आपने कलकत्ता विश्वविद्यालय के स्काटिस चर्च कॉलेज से दर्शनशास्त्र में प्रथम श्रेणी से ग्रेजुएट की उपाधि प्राप्त की। आप अपने माता–पिता की इच्छानुसार 'इंडियन सिविल सर्विस' में शामिल होने के लिए इंग्लैण्ड गए। सन् 1920 में आप 'इंडियन सिविल सर्विस' परीक्षा में शामिल हुए एवं मेरिट में चौथा स्थान प्राप्त किया, किन्तु आप विदेशी हुकूमत के अधीन रह कर अंग्रेज सरकार की सेवा करना नहीं चाहते थे, इसलिए सन् 1921 में सिविल सेवा का नियुक्ति पत्र अंग्रेज सरकार को लौटा दिया। उस समय भारतमाता गुलामी की जंजीरों में जकड़ी हुई थी। जलियावाला बाग हत्याकाण्ड में हुए भीषण नरसंहार से सुभाष चन्द्र बोस अत्यधिक विचलित हुए। सन् 1921 में 'इंडियन सिविल सर्विस' को परीवीक्षाधीन अवधि में छोड़ कर भारत आकर आप महात्मा गॉधी जी के नेतृत्व में स्वतन्त्रता संग्राम में कूद पड़े।

'आजादी कभी भी भीख में नही मिलती वरन् बलपूर्वक छीनकर हासिल की जाती है।' नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के अनुसार 'सबसे बड़ा अपराध अन्याय सहन करना और गलत के साथ समझौता करना है।' सुभाष चन्द्र बोस का मानना था कि 'शहीदों के बलिदान और परिश्रम से प्राप्त बेशकीमती आजादी की रक्षा करने की हममें ताकत होनी चाहिए।' राष्ट्रनायक स्वामी विवेकानन्द जी के शैक्षिक, सामाजिक, आध्यात्मिक, क्रांतिकारी तथा राष्ट्रवादी विचारो ने सुभाष चन्द्र बोस को अत्यधिक प्रभावित किया। स्वामी विवेकानन्द जी की विचारधारा की जीवंत झलक उनके व्यक्तित्व में स्पष्ट दिखाई पड़ती है। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस द्वारा दिये गये 'दिल्ली चलो' एवं 'जय हिन्द' के नारों ने मानों जन–जन में देशभक्ति के अपूर्व भावों का संचार किया। असहयोग आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी जी की राय के अनुसार आपने बंगाल में चितरंजन दास के साथ कार्य करना प्रारम्भ किया। शिक्षा का प्रकाश फैलाने के साथ साथ आपने 'स्वराज' अखबार का प्रकाशन किया। देशभक्ति के भावों को अपने हृदय में संजोये नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने अपनी दूरदृष्टि, कठिन परिश्रम, लक्ष्य के प्रति समर्पणभाव,

दृढ़ निश्चय के साथ कार्य करते हुए कांग्रेस में अपना महत्वपूर्ण स्थान बना लिया।

सन् 1923 में आपको आल इंडिया यूथ कांग्रेस का प्रेसीडेंट तथा बंगाल कांग्रेस कमेटी का सचिव चुना गया। सन् 1924 में आपको कलकत्ता नगर निगम का मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया गया, लेकिन शीघ्र ही क्रांतिकारी गतिविधियों में लिप्त होने के कारण आपको गिरफ्तार कर बर्मा भेज दिया गया। आपने चितरंजन दास द्वारा स्थापित समाचार पत्र 'फारवर्ड' के सम्पादक का कार्य किया एवं सम्पूर्ण देश में अपने क्रांतिकारी विचारों से आजादी की अलख जलाई। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस भारत को 'पूर्ण स्वराज्य' दिलाने के प्रबल पक्षधर थे। भारत को जल्दी से जल्दी आजाद कराना चाहते थे, इसीलिए आपने 'इंडिपेन्डैंस लीग' का गठन किया। सविनय अवज्ञा आन्दोलन में भाग लेने के कारण सन् 1930 में यूरोप में नजरबंद होने के दौरान आपने 'इंडियन स्ट्रगल' नामक पुस्तक लिखी। 'गांधी–इरविन समझौता' होने के बाद आपको जेल से मुक्त किया गया। क्रांतिकारी अमर शहीद भगत सिंह एवं अन्य देशभक्तों को फांसी पर लटकाये जाने के कारण आपने गांधी–इरविन समझौते का विरोध किया, फलस्वरूप आपको पुनः जेल में बन्द कर दिया गया। कैद से मुक्त होकर आप भारत से यूरोप चले गये। यूरोप में आपने अनेक स्थानों पर सामाजिक–सांस्कृतिक केन्द्रों की स्थापना की। आपको सन् 1938 में हरिपुरा कांग्रेस अधिवेशन का अध्यक्ष चुना गया जिसमें आपने नई औद्योगिक नीति का प्रस्ताव रखा। हथकरघा उधोगों के समर्थक महात्मा गांधी जी ने नई औद्योगिक नीति का समर्थन नहीं किया। उसी वर्ष आपने अक्टूबर में राष्ट्रीय योजना कमेटी बनाई। सन् 1939 में कांग्रेस के चुनावों में आपने पट्टाभिसीतारमैया को हराया तथा त्रिपुरा कांग्रेस अधिवेशन में आप पुनः अध्यक्ष चुने गये। द्वितीय विश्व युद्ध की पृष्ठभूमि में आपने अंग्रेज सरकार से भारत की सत्ता 6 माह में भारतीयों को सौंपने का प्रस्ताव रखा। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस भारत को क्रांतिकारी प्रयासों से अतिशीघ्र आजादी दिलवाना चाहते थे। 22 जून, 1939 को 'आल इंडिया फारवर्ड ब्लाक' का गठन किया। अंग्रेजो के विरूद्ध आजादी की लड़ाई मे विजय प्राप्त करने के लिए सुभाष चन्द्र बोस श्रीमद्भगवत गीता के अनुसार कर्मपथ पर निरन्तर आगे बढ़ते रहने के सिद्धान्त को महत्वपूर्ण मानते थे। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का भारत की जनता में, खासकर नौजवानो में बहुत अधिक प्रभाव था। देशभक्तों पर आपकी चमत्कारी आवाज का जादू सा असर होने के कारण स्वतन्त्रता संग्राम में जनता ने तन, मन व धन से सहयोग करना प्रारम्भ किया। आजादी की लड़ाई विराट जन आन्दोलन का रूप लेने लगी। सुभाष चन्द्र बोस जैसे देशभक्तों ने अंग्रेजो की नाक में दम कर रखा था। ब्रिटिश सरकार ने सन् 1940 में सुभाष चन्द्र बोस को कलकत्ता में नज़रबन्द कर दिया। 26 जनवरी, 1941 को एक पठान के वेश में भारत से गायब होकर आप काबुल व मास्को होते हुए अप्रेल में जर्मनी पहुंचे। वहां आपने दक्षिण पूर्वी एशिया में रहने वाले भारतीयों को संगठित किया। जनवरी 1942 से आपने बर्लिन रेड़ियो पर 'आजाद हिन्द रेडियो' का प्रसारण करना शुरू किया फलस्वरूप आपके क्रांतिकारी व प्रेरणादायी देशभक्ति के भावों से ओतप्रोत विचारों नें भारतीयों में अपूर्व जोश एवं उत्साह भर दिया। जुलाई 1943 में जर्मनी से सिंगापुर पहुंच कर रास बिहारी बोस के नेतृत्व में आपने लगभग 40,000 स्त्री–पुरूषों को संगठित कर आजाद हिन्द फौज का गठन किया। सेना ही नहीं वरन् जन–जन द्वारा आपके उच्च नेतृत्व कौशल के फलस्वरूप आपको 'नेताजी' के नाम से सम्बोधित किया जाने लगा। 'नेताजी' की मंत्रमुग्धकारी वाणी एवं तेजस्वी व्यक्तित्व का प्रभाव जनता पर जादू की तरह होता था। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने 6 जुलाई, 1944 को सिंगापुर से आजाद हिन्द रेडियो प्रसारण में सर्वप्रथम महात्मा गॉधी जी को 'राष्ट्रपिता' के सम्बोधन से सम्बोधित किया। 'राष्ट्रपिता' महात्मा गॉधी जी से भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम में सफल होने के लिए शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद मांगा। आजाद हिन्द फौज का एकमात्र उद्देश्य भारत को अंग्रेजी साम्राज्य से मुक्त कराना था। 18 मार्च, 1944 को आजाद हिन्द फौज बर्मा बार्डर को पार कर भारत की धरती पर पहुंच गई। विश्वपटल पर द्वितीय विश्वयुद्ध की पृष्ठभूमि में तत्कालीन परिस्थितियां तेजी से बदल रही थी। 7 मई, 1945 को जर्मनी ने हथियार डाल दिये तथा आखिर में 15 अगस्त, 1945 को युद्ध बन्द हो गया। जैसा कि दूसरे विश्वयुद्ध में जापान तथा जर्मनी की पराजय के कारण आजाद हिन्द फौज अपने उद्देश्य को पूर्ण नहीं कर पाई लेकिन भारत की आजादी का मार्ग प्रशस्त कर गई। अंग्रेजों द्वारा 'आजादी के दीवाने' नेताजी सुभाष चन्द्र बोस को ग्यारह बार जेल में बन्द किया गया पर जब जब भी उनको जेल में बन्द किया गया, देश की आजादी के उनके इरादे अधिक बुलन्द होते गये। नेताजी के अनुसार 'आज हमारे अन्दर बस एक ही इच्छा होनी चाहिए, मरने की इच्छा, ताकि भारत जी सके। एक शहीद की मौत मरने की इच्छा, ताकि स्वतंत्रता का मार्ग शहीदों के खून से प्रशस्त हो सके।'

ऐसा कहा जाता है कि आजादी का यह दीवाना 18 अगस्त 1945 को विमान से टोकियो जाते समय वायुयान दुर्घटना में शहीद हो गया। भारत सरकार ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस को मरणोपरान्त सन् 1992 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित करने की घोषणा की। लेकिन नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की कथित मृत्यु के बारे में विवाद होने एवं उनके परिजनों और समर्थकों के भारी विरोध के कारण इस अलंकरण को रद्द करना पड़ा। आजादी की लडाई मे अपना सर्वस्व समर्पण करने वाले अनुपम व्यक्तित्व के धनी नेताजी सुभाष चन्द्र बोस हर भारतीय के हदय में सदैव जीवित रहेंगे।

राज्य स्तरीय पञ्चांग

प्रस्तावित

गतिविधि का नाम	दिनांक	स्थान
जनजाति अमृत महोत्सव	13 – 17 जनवरी, 2022	बांसवाड़ा
डेजर्ट ट्रेकिंग	17 – 21 जनवरी, 2022	जैसलमेर
स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	21 से 25 जनवरी, 2022	आबूपर्वत केन्द्र नं.1
गाँधी दर्शन सप्ताह	24 – 30 जनवरी, 2022	समस्त स्तर पर
रेंजर समागम	27 – 31 जनवरी, 2022	जगतपुरा, जयपुर
राज्य स्तरीय गाँधी दर्शन समारोह	31 जनवरी, 2022	जयपुर
राज्य स्तरीय कब/बुलबुल उत्सव	08 – 11 फरवरी, 2022	अजमेर
राज्य पुरस्कार समारोह	19 – 23 फरवरी, 2022	जगतपुरा, जयपुर
राज्य स्तरीय पर्यावरण मेला	19 – 23 फरवरी, 2022	जगतपुरा, जयपुर

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
State Master Trainers Training for BSG-Digital Smart Generation, Surf Smart 2.0.	05-10 January, 2022	Virtual on Zoom platform
National Open Unit Rally	09-13 January, 2022	Gadpuri, Palwal (Haryana)
National Integratin Camp	09-13 January, 2022	Guwahati - Assam
National Level Youth Week Celebration Camp	09-13 January, 2022	Gadpuri, Palwal (Haryana)
National Level Tribal Amrit Mahotsav	13-17 January, 2022	Banswara, Rajasthan
National Integration Camp	04-08 February, 2022	Dakshina Kanndada, Karnataka
National Integration Camp	19-23 February, 2022	Gadpuri, Palwal (Haryana)

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
27th Asia Pacific Regional Scout Conference	15-16, 18-19, 21 Feb.2022	Virtually
10th Asia Pacific Regional Scout Youth Forum	09-10, 12-13 Feb. 2022	Virtually
25th World Scout Jamboree	01 - 12 August, 2023	Saemangeum, Korea

National Headquarters website : www.bsgindia.org

रायपुर (पाली) में स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य का स्वागत करते हुए स्थानीय संघ, रायपुर के पदाधिकारीगण

रायपुर (पाली) में स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य का स्वागत करते हुए जोधपुर एएसओसी बाबूसिंह राजपुरोहित

शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला से मुलाकात कर राज्य स्तरीय मूट-मीट के लिए आमंत्रित करते हुए बीकानेर के पदाधिकारीगण

जम्बूरी आयोजन हेतु रोहट, पाली की विजिट के दौरान राज्य संगठन के स्टेट कमिश्नर श्री एस.के. सोलंकी, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन व अधिकारीगण

बनीपार्क, जयपुर पर बेसिक कोर्स की विजिट के दौरान गार्ड ऑफ ऑनर लेते राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन व मण्डल अधिकारी

स्काउट कला :
बिना बर्तन भोजन पकाने की कला का प्रदर्शन करते स्काउट गाइड

राजस्थान बालचर आवासीय विद्यालय :
बालकों को बालसभा के दौरान अंग्रेजी विषय पर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करते हुए अध्यापकगण

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी.जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर फोन नं. 0141-2706830 द्वारा मैसर्स प्रीमियर प्रिन्टिंग प्रेस, 12 रामनगर, हवा सड़क, सोडाला, जयपुर-302019 फोन : 0141-2294887, 2295097 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति ₹ पन्द्रह
प्रकाशन – प्रत्येक माह
पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत
आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/1835

प्रेषक :–
राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर-302015
फोन :0141-2706830, 2941098
ई-मेल : scoutguidejyoti@gmail.com